Patrika (Indore), 30th July 2024, Page-02

#IITIndore देश में पहला आइआइटी, जिसके लिए 50 हेक्टेयर वन भूमि की होगी पहचान

अच्छी खबर: हरित क्षेत्रों के बाहर बढ़ेगी पेड़ों की संख्या, आइआइटी इंदौर में बनेगी वन वाटिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा नगर वन परियोजना के लिए चुना गया है। राष्ट्रीय वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) के अंतर्गत शनिवार को इसका शिलान्यास किया गया। नगर वन योजना (एनवीवाई) की पायलट योजना में 2020-25 तक 400 नगर वन और 200 नगर वाटिका विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य वनों और हरित क्षेत्रों के बाहर पेड़ों की संख्या व शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता व पर्यावरणीय लाभ को बढ़ाना तथा शहरवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

आइआइटी इंदौर देश का पहला आइआइटी है, जिसके लिए कुल 50 हेक्टेयर वन भूमि की पहचान की जाएगी। भूमि का उपयोग वनीकरण, वनों की गुणवत्ता में सुधार, जैव विविधता के संवर्धन, वन्य जीव वास में सुधार, वनों में आग पर नियंत्रण, मृदा एवं जल संरक्षण आदि के लिए किया जाएगा। इस परियोजना के लिए 1.98 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

बांध-तालाब विकसित: कार्यक्रम में आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि इस वन वाटिका के बनने से पहले भी संस्थान ऐसी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। अनुदान मिलने से गतिविधियों को गति मिलेगी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय कैंप के सीईओ सुभाष चंद्रा ने कहा कि आइआइटी इंदौर को इस क्षेत्र के पुराने पौधों की सूची तैयार कर जैव विविधता की बेस लाइन डाटा में सुधार करना चाहिए। करीब 170 प्रकार के पेड़ लगाने चाहिए, जो मध्य भारत में विशिष्ट हैं।